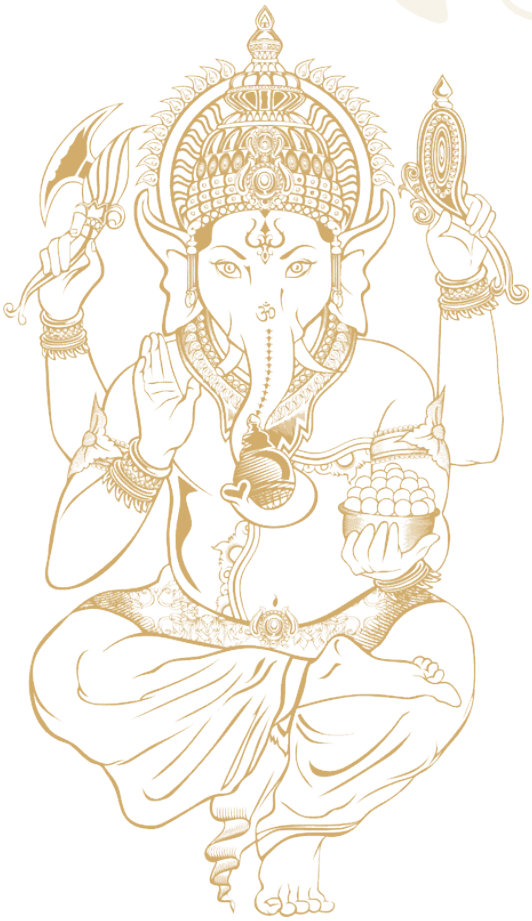

Nandan

Bhanu mati

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120368101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120368101 Date: 29/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/11/1987	जन्म तिथि	09/12/1992
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:32:00	जन्म समय	12:24:00 घंटे
घटी 01:03:50	जन्म समय(घटी)	15:19:59 घटी
India	देश	India
Deoghar	स्थान	Deoghar
24:31:00 उत्तर	अक्षांश	24:31:00 उत्तर
86:42:00 पूर्व	रेखांश	86:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:16:48	स्थानिक संस्कार	00:16:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:27	सूर्योदय	06:16:00
16:54:10	सूर्यास्त	16:55:18
23:41:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:47
वृश्चिक	लग्न	मीन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	रोहिणी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	2
वृद्धि	योग	सिद्ध
कौलव	करण	विष्टि
खू-खूबचन्द	जन्म नामाक्षर	वा-वाणी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
वानर	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ADI SHANKAR VAIDIK VIDYA SANSTHAN
S-313, SHAKTI NAGAR, INDIRA NAGAR, LUCKNOW 226016
9044016661
dindayalmani@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 5मा 10दि		14:17:22	वृश्चि	लग्न	मीन	04:09:35	चन्द्र 6वर्ष 4मा 15दि	
गुरु		09:32:16	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	23:41:52	गुरु	
07/05/2020		13:24:20	मक	चंद्र	वृष	14:49:59	25/04/2024	
07/05/2036		07:33:26	तुला	मंगलव	कर्क	03:07:18	25/04/2040	
गुरु	25/06/2022	24:44:09	तुला	बुध	वृश्चि	02:56:12	गुरु	13/06/2026
शनि	05/01/2025	26:43:36	मीन व	गुरु	कन्या	17:09:41	शनि	24/12/2028
बुध	13/04/2027	03:47:02	धनु	शुक्र	मक	06:52:34	बुध	01/04/2031
केतु	19/03/2028	27:33:37	वृश्चि	शनि	मक	20:26:02	केतु	07/03/2032
शुक्र	18/11/2030	06:27:19	मीन व	राहु व	वृश्चि	27:44:14	शुक्र	06/11/2034
सूर्य	06/09/2031	06:27:19	कन्या व	केतु व	वृष	27:44:14	सूर्य	25/08/2035
चन्द्र	05/01/2033	01:49:34	धनु	हर्ष	धनु	22:36:39	चन्द्र	24/12/2036
मंगल	12/12/2033	12:47:38	धनु	नेप	धनु	23:46:24	मंगल	30/11/2037
राहु	07/05/2036	17:08:12	तुला	प्लूटो	वृश्चि	00:03:40	राहु	25/04/2040

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:41:16 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:47

लग्न-चलित

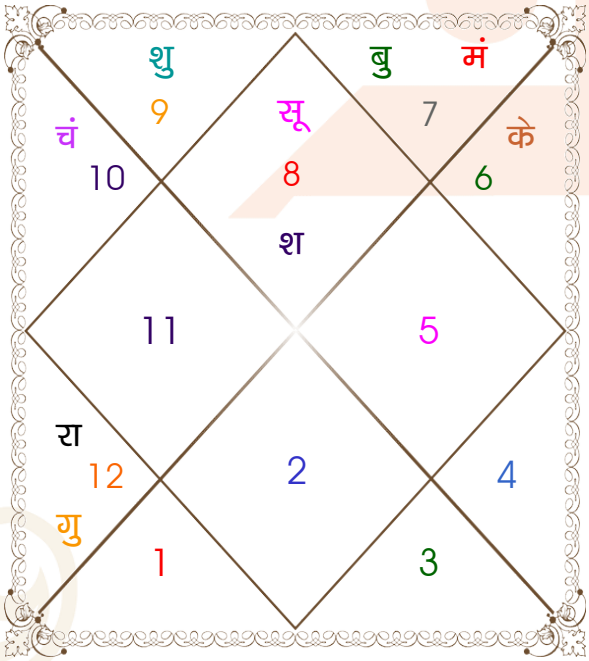

लग्न-चलित

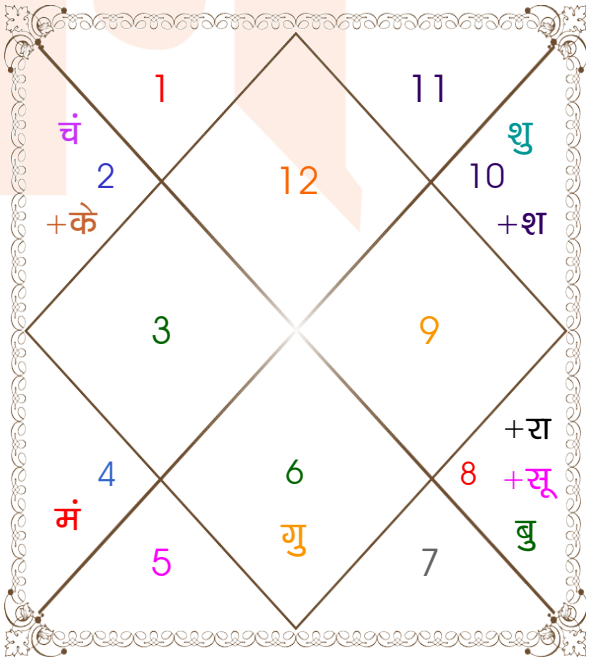

ADI SHANKAR VAIDIK VIDYA SANSTHAN
S-313, SHAKTI NAGAR, INDIRA NAGAR, LUCKNOW 226016
9044016661
dindayalmani@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

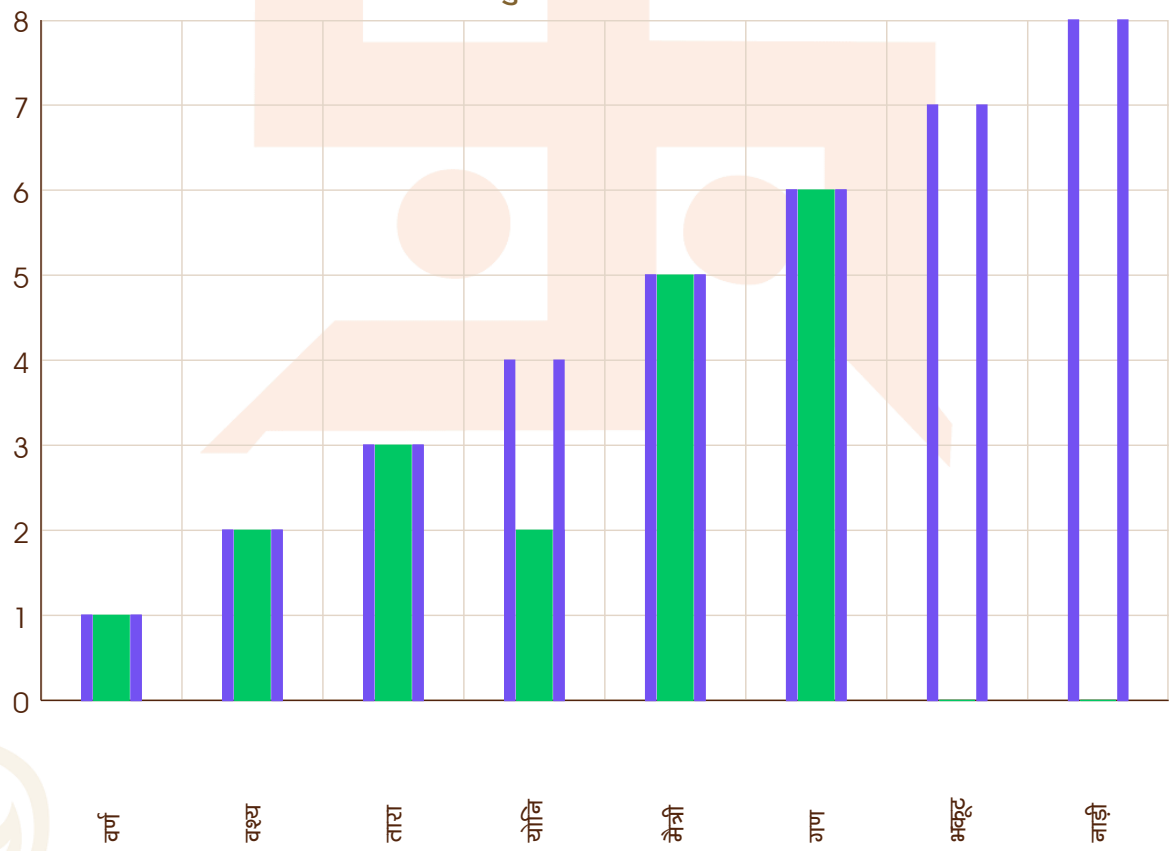

ADI SHANKAR VAIDIK VIDYA SANSTHAN
S-313, SHAKTI NAGAR, INDIRA NAGAR, LUCKNOW 226016
9044016661
dindayalmani@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Nandan का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Bhanu mati का नक्षत्र रोहिणी है।

Nandan का वर्ग मार्जार है तथा Bhanu mati का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nandan और Bhanu mati का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Nandan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Nandan कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhanu mati मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Bhanu mati कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nandan तथा Bhanu mati में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Nandan का वर्ण वैश्य है तथा Bhanu mati का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Nandan और Bhanu mati दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Nandan और Bhanu mati दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Nandan का वश्य चतुष्पद है एवं Bhanu mati का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Nandan एवं Bhanu mati दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Nandan की तारा जन्म तथा Bhanu mati की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Nandan की योनि वानर है तथा Bhanu mati की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Nandan एवं Bhanu mati दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Nandan एवं Bhanu mati के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Nandan एवं Bhanu mati जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Nandan का गण देव तथा Bhanu mati का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Bhanu mati अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Nandan से Bhanu mati की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Bhanu mati से Nandan की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Bhanu mati को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Nandan की नाड़ी अन्त्य है तथा Bhanu mati की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Nandan एवं Bhanu mati की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Nandan की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर तथा Bhanu mati की राशि भी पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अतः समान तत्व होने के कारण Nandan और Bhanu mati के मध्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान शुभ रहेगा।

Nandan की राशि का स्वामी शनि तथा Bhanu mati की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। Nandan और Bhanu mati एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे । इससे आपसी संबंधों में सुदृढ़ता के भाव की वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख शानति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा ।

Nandan और Bhanu mati की राशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह की अपेक्षा विरोध तथा वैमनस्य रहेगा। साथ ही अंहकार के कारण एक दूसरे से अपने को श्रेष्ठ समझते हुए उपेक्षा करेंगे। इस प्रवृति से संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा अन्यत्र वैवाहिक जीवन में कष्ट तथा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः यदि Nandan और Bhanu mati बुद्धिमता एवं सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो अशुभ प्रभावों में कमी आ सकती है।

Nandan का वश्य जलचर तथा Bhanu mati का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक मित्रता के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होती रहेगी।

Nandan एवं Bhanu mati का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की रूचि धनार्जन संबधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही कार्य क्षमताएं समान होने के कारण स्थिति शुभ एवं अनुकूल रहेगी।

धन

Nandan और Bhanu mati दोनों जनम तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने- में समर्थ रहेंगे। साथ ही सम भकूट होने के कारण आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा परन्तु Nandan के लिए मंगल अशुभ होने के कारण किंचित असुविधा वे आर्थिक क्षेत्र में आलस्य के कारण प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु उचित मात्रा में लाभ होने के कारण इसका कोई

विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

Nandan और Bhanu mati दोनों को पैतृक सम्पति की प्राप्ति होने की प्रबल संभावना होगी जिससे आर्थिक सम्पन्नता भी रहेगी एवं धनऐश्वर्य तथा वैभव से युक्त होंगे। यदा कदा Nandan की प्रवृति अनावश्यक व्यय करने की होगी लेकिन उससे उनकी धनसम्पन्नता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

स्वास्थ्य

Nandan और Bhanu mati अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Bhanu mati पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Bhanu mati को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए Nandan को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Nandan और Bhanu mati का मिलान अच्छा रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य भी उचित अंतर रहेगा जिससे बच्चों का उचित लालन पालन करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र तथा कन्या संतति समान संख्या में रहेगी।

लेकिन Bhanu mati को गर्भावस्था में किंचित परेशानी तथा समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है जिसकी परिणिति गर्भपात के रूप में हो सकती है। अतः ऐसी अवस्था में Bhanu mati को अपना पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण आदि करवाने चाहिए। गर्भपात के अतिरिक्त Bhanu mati को किसी अन्य प्रकार से कोई परेशानी नहीं होगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी।

Nandan और Bhanu mati बच्चों की उन्नति, बुद्धिमता, व्यवहार कुशलता तथा योग्यता से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे भी इन गुणों से अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। साथ ही माता पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त पिता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा आज्ञा पालन का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार Nandan और Bhanu mati का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

ससुराल-सुश्री

Bhanu mati के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Bhanu mati धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Bhanu mati के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Bhanu mati का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Bhanu mati से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Nandan तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Nandan के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Nandan के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Nandan के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।